मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण समारोह सम्पन्न

अन्तर्राष्ट्रीय मृदा दिवस के अवसर पर दिनांक 5 दिसम्बर, 2015 को पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अनंसंधान परिसर पटना में 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण–सह–रबी किसान सम्मेलन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पटना जिले के नौबतपुर प्रखण्ड के 250 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रामकृपाल यादव, माननीय राज्य मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता (भारत सरकार) ने अपने संबोधन में मृदा स्वास्थ कार्ड की महत्ता, मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों को जॉच के आधार पर ही फसलों का आवश्यकतानुसार ही उर्वरकों की प्रयोग की सलाह दी, जिससे न केवल पैदावार में ही वृद्धि होगी, बल्कि उत्पादन लागत में कमी के साथ–साथ किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी साथ ही साथ मृदा के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को बिगड़नें से भी रोका जा सकता है। चूकि हमारा देश प्रतिवर्ष अपनी कुल आवश्यकता का 25–30 प्रतिशत यूरिया, 90 प्रतिशत डी.ए.पी. तथा शतप्रतिशत पोटाश विदेशों से आयात करता है, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार संतुलित पोषक तत्व प्रबन्धन से विदेशी मुद्रा की बचत होगी। उन्होंने 'नीम कोटैड यूरिया' के प्रयोग पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर माननीय राज्य मंत्री ने भारत सरकार द्वारा कृषि के उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी तथा किसानों से आग्रह किया कि वे जागरूक होकर इन योजनाओं का पूरा लाभ उठावें। मुख्य अतिथि महोदय ने यह भी बताया कि भारत सरकार ने अगले तीन वर्षों में 14 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा है जिके लिए 568.54 करोड़ रूपये का भी प्रावधान किया गया है जिसमें रूपये 56 करोड़ बिहार राज्य के लिए दिया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री संजीव चौरसिया, माननीय विधायक, दिघा विधान सभा क्षेत्र, ने कहा कि बिहार की मिट्टी सभी गुणों से भरपूर एवं काफी उपजाऊ है जिसमें सभी तरह के फल, सब्जी एवं खद्यान्न फसलें ली जा सकती हैं। यहॉ के किसान बहुत परिश्रमी हैं। मृदा स्वास्थ्य के अनुसार संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों के प्रयोग से कम लागत में इन फसलों की पैदावार एवं गुणवत्ता को और भी बढ़ाया जा सकता है। स्वस्थ मृदा के लिए कृषि में जैविक खादों के प्रयोग पर भी उन्होंने विशेष बल दिया।

इस अवसर पर कृषक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा कषि से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी दी गई तथा किसानों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भा.कृ.अनु.प. गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। डॉ. अमिताभ डे, प्रभारी निदेशक ने अतिथियों एवं समारोह में पधारे सभी किसानों भाइयों एवं बहनों का स्वागत किया तथा तथा कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज यह संस्थान पटनो के अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र बक्सर एवं रामगड़ (झारखण्ड) में भी मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। तथा डॉ. जे.एस. मिश्र, अध्यक्ष, फसल अनुसंधान विभाग ने संस्थान में मृदा परीक्षण एवं फसल उत्पादन में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व के बारे में किसानों को अवगत कराया। डॉ. अभय कुमार, अध्यक्ष, सामाजिक आर्थिक एवं प्रसार विभाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। डॉ. (श्रीमति) शिवानी, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संचालन किया।